डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय, करगी रोड कोटा बिलासपुर (छ.ग.)

''एक दिवसीय ई.–संगोष्ठी''

शीर्षक–"बौद्धिक संपदा अधिकार की भूमिका'

आयोजक–भाषा विज्ञान विभाग एवं आई.क्यू.ए.सी.
डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय
करगी रोड कोटा बिलासपुर (छ.ग.)
एवं
शिक्षा स्नातक महाविद्यालय रायपुर (छ.ग.)
दिनांक – 21 फरवरी 2022

भाषा विज्ञान विभाग एवं आई.क्यू.ए.सी., डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय. एवं शिक्षा स्नातक महाविद्यालय रायपुर (छ.ग.) के द्वारा "बौद्धिक संपदा अधिकार की भूमिका' विषय पर एक दिवसीय ई. संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वागत उद्बोधन की कड़ी को गति देते हुए डॉ. आँचल श्रीवास्तव, (भाषा विज्ञान विभाग), ने अपने भाषण में 'बौद्धिक संपदा अधिकार की भूमिका' पर विचार व्यक्त किए कि बौद्धिक संपदा अधिकार विचारों, अविष्कारों और रचनात्मक अभिव्यक्तियों का एक रूप है। जिसके आधार पर संपत्ति का दर्जा देने की सार्वजनिक इच्छा होती है। रचनाकारों को कुछ विशेष अधिकार प्रदान करता है, जिससे वे अपने रचनात्मक प्रयासों या प्रतिष्ठा से व्यावसायिक लाभ प्राप्त कर सकें।

डॉ. संगीता सिंह कला संकायाध्यक्ष ने अपने विचार व्यक्त किए और कहा कि बौद्धिक संपदा अधिकार मानव बुद्धि के किसी भी मूल निर्माण से संबंधित है, जैसे– कलात्मक, साहित्यिक, तकनीकी या वैज्ञानिक रचना। बौद्धिक संपदा अधिकार एक निश्चित अवधि के लिए अविष्कार या निर्माता को अपने आविष्कार या निर्माण की रक्षा को संदर्भित करना होगा, जिससे कि नवाचार से जुड़े, बौद्धिक श्रम को उचित महत्व दिया जाये।

मुख्य वक्ता श्री सोमराज श्रीवास्तव, अधिवक्ता हाईकोर्ट न्यायधानी बिलासपुर (छ.ग.), ने विचार व्यक्त किए, और कहा कि 'बौद्धिक संपदा अधिकार' में आविष्कार या निर्माता द्वारा निवेश किए गए निवेश समय, धन, प्रयास की रक्षा के लिए एक मजबूत कड़ी है, क्योंकि यह निर्माता को एक निश्चित अवधि के लिए एक विशेष अधिकार प्रदान करता है। इस तरह स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देकर औद्योगिक विकास और आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करके भारत देश की आर्थिक विकास में सहायता करता है। बौद्धिक संपदा अधिकार से संबंधित कानूनों और प्रशासनिक प्रक्रियाओं की जड़े यूरोप में हैं। भारत में पेंटेंट अधिनियम 150 साल से अधिक पुराना है। उद्घाटन एक 1856 अधिनियम है। जो ब्रिटिश पेटेंट प्रणाली पर

आधारित है, और इसने 14 वर्षो की पेटेंट अवधि प्रदान की जिसके बाद कई अधिनियम और संशोधन किए गए मूल रूप से केवल पेटेंट, ट्रेडमार्क और औद्योगिक डिजाइनों को 'औद्योगिक संपति' के रूप में संरक्षित किया गया था। लेकिन अब बौद्धिक संपदा शब्द व्यापक अर्थ है।

यह आम जनता को एक पुल प्रदान करता है। क्योंकि व्यापार रहस्यों को छोड़कर सभी प्रकार के आई. पी. प्रकाशित किए जाते है। आगे श्रीवास्तव जी कहते है, बौद्धिक संपदा अधिकार मानव मस्तिष्क की उपज है। दुनिया के देश कई सदियों से अपने–अपने कानून बना कर इन्हें सुरक्षित करते चले जा रहें हैं। सन् 1995 में विश्व व्यापार संगठन बनाया ट्रिप्स, इस संगठन के सदस्य का एक समझौता है। सारे देश जो विश्व व्यापार संगठन के सदस्य है, उन्हें इसे मानना है तथा अपने कानून इसी के मुताबिक बनाने है। हम भी बौद्धिक सम्पदा अधिकार से संबंधित कानूनों को इसी के कारण बदल रहे हैं ताकि वह ट्रिप्स मुताबिक हो जाये। इसलिए कई लोगों का कहना है कि हम लोग कानून इसलिए नही बदल रहें है, कि हमें उनकी आवश्यकता है, पर इसलिए कि ट्रिप्स कहता है। तथा विश्व व्यापार संगठन एवं ट्रिप्स के कारण हमने अपनी प्रभुत्ता को खो दी है। इस तरह बौद्धिक संपदा के भूमिका को बताते हुए अपने व्याख्यान को पूर्ण किये। इस कार्यक्रम में 70 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम के समापन में डॉ. स्नेहलता निर्मलकर द्वारा सभी का आभार प्रकट किया। एवं संचालन श्री शाहिद हुसैन के द्वारा किया गया।

व्याख्यान देते हुए श्री सोमराज श्रीवास्तव

प्राचार्य,
[illegible] स्नातक महाविद्यालय,
माढ़र, रायपुर (छ.ग.)

आयोजक
डॉ. मनीषा द्विवेदी
भाषा विज्ञान विभाग
डॉ.सी.वी. रामन् विश्वविद्यालय,
करगीरोड, कोटा, बिलासपुर (छ.ग.)

Department of Linguistics
Dr.C.V.Raman University
Kargi Road Kota, Bilaspur (C.G.)

List of Participants Faculty

Date : 21/02/2022

"एक दिवसीय ई. संगोष्ठी"

विषय –"बौद्धिक संपदा अधिकार की भूमिका'

S.N.	Name of Participants	Programme
1	Dr.Rekha Dubey	Linguistics
2	Dr. Pratima Bais	Social Science
3	Dr. Aanchal Shrivastava	Linguistics
4	Mrs. Radha Sharma	Linguistics
5	Mr. Aditya Kumar	Linguistics
6	Mr. Shahid Hussain	Linguistics
7	Dr. Kajal Moitra	Social Science
8	Dr. Rakesh Gupta	Social Science
9	Mr. Vijay Yadav	Law
10	Dr. J.K. Patel	Law
11	Dr. Sarika Sinha	Linguistics
12	Dr. Gurpreet Bagga	Linguistics
13	Dr. A.K. Shrivastava	Science
14	Dr. Sarita Mishra	Library Science
15	Dr. Manju Sahu	Social Science
16	Dr. Richa Yadav	Social Science
17	Dr. Shankar Yadav	Physical Education
18	Mrs. Rama Mishra	Science
19	Dr. Sangeeta Singh	Library Science
20	Dr. Niket Shukla	Management
21	Dr.Snehlata Nirmalker	Linguistics
22	Ms. Anjani Saraf	Library Science

23	Deeksha Tiwari	M.A. Hindi
24	Ghanshyam Kaushik	M.A. Chhattisgarhi
25	Yashvant Batta	M.A. Chhattisgarhi
26	Neelam Chandrakar	M.A. Chhattisgarhi
27	Sukrita Sahu	M.A. Hindi
28	Vishnu Prasad Sahu	M.A. Hindi
29	Vidya Sahu	M.A Hindi
30	Ganesh Ram Kaushik	M.A. Chhattisgarhi
31	Manish Kaushik	M.A. Chhattisgarhi
32	Papiya Majumdar	M.A. Hindi
33	Jasim Akhtar	M.A. Hindi
34	Chetan Patel	M.A. Hindi
35	Daisymoon Jangde	M.A. Hindi
36	Mamta Sidar	M.A. English
37	Mukesh Kumar	M.A. English
38	Neel Kamal Khande	M.A. English
39	Pandu Mandal	M.A. English
40	Lakhan Singh Paikra	M.A. English
41	Priti Singh	M.A. Hindi
42	Ratandeep Gupta	M.A. Hindi
43	Reshma Bano	M.A. Hindi
44	Sheikh Tauhid	M.A. Hindi
45	Jitendra	M.A. English
46	Sharda Sahu	M.A Hindi
47	Bharat Lal	M.A. English
48	Bharti	M.A. English
49	Dineswari Jagat	M.A. English

50	Doomendra Sahu	M.A. English
51	Farhad Hossain	M.A. English
52	Hari Shankar Baghel	M.A. English
53	Hemchand	M.A. English
54	Humayun Mia	M.A. English
55	Jyoti Kashyap	M.A. English
56	Laxmin	M.A. English
57	Priyanka Padhi	M.A. English
58	Raj Kumar	M.A. English
59	Manisha Khatun	M.A. Hindi
60	Nisha Vaishnav	M.A. Hindi
61	Nandani Sahu	M.A. Hindi
62	Satish Kumar	M.A. Hindi
63	Kumari Ekka	M.A. Hindi
64	Motiram Sahu	M.A. Hindi
65	Sunita Yadav	M.A. Hindi
66	Aditya Kumar	M.A. English
67	Anek Das	M.A. English
68	Annapurna	M.A. English
69	Arpita Ghorai	M.A. English
70	Bhanupratap Jaiswal	M.A. English

प्राचार्य,
[illegible] स्नातक महाविद्यालय,
मांढर, रायपुर (छ.ग.)

Department of Linguistics
Dr.C.V.Raman University
Kargi Road kota, Bilaspur (C.G.)

Dr. C. V. RAMAN UNIVERSITY
Kargi Road, Kota, Dist.- Bilaspur (C.G.)
Ph.No.07753-253801,9617779301 Fax:07753-253728
e-mail:info@cvru.ac.in, website: www.cvru.ac.in

क्रं. /241/ भाषा विज्ञान विभाग /2022 कोटा/दिनॉक–17/02/2022

सूचना

अत्यंत हर्ष के साथ आप सभी को सूचित किया जाता है कि हमारे विश्वविद्यालय में भाषा विज्ञान विभाग एवं आई.क्यू.ए.सी., डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय, एवं शिक्षा स्नातक महाविद्यालय रायपुर (छ.ग.) के द्वारा **"बौद्धिक संपदा अधिकार की भूमिका"** विषय पर दिनांक 21 फरवरी 2022 को **"एक दिवसीय ई. संगोष्ठी"** का आयोजन आभासी पटल पर दोपहर 12:00 बजे से किया जायेगा। जिसमें आपकी उपस्थिति प्रार्थनीय है।

आयोजक
डॉ. मनीषा द्विवेदी
भाषा विज्ञान विभाग,
डॉ.सी.वी. रामन विश्वविद्यालय,
करगीरोड कोटा, बिलासपुर (छ.ग.)

Department of Lingustics
Dr.C.V.Raman University
Kargi Road Kota, Bilaspur (C.G.)